. सादर निवेदन

—----------

सुनल अछि जे मिथिला पंचांग तथा अन्य (यथा काशी) पंचांगमे पाबनि-तिहार ओ शुद्धादि निर्धारणमे कतहु-कतहु भिन्नता रहै छै। जँ ई तथ्य थिक तँ ई स्वयंसिद्ध भेल जे एकर व्यवहार मिथिलेमे आ मैथिले समाजमे होइत अछि, प्राय: अन्यत्र नहि। तेँ एकर बिकरीयो मिथिलेतर आ मैथिलेतर क्षेत्र आ समाजमे नगण्ये होइत हेतैक। एहना स्थितिमे पंचांगक भाषा मैथिली रहब अधिक समीचीन बुझना जाइछ। संस्कृत विश्वविद्यालय पोथी जखन मैथिली भाषामे सेहो छपिते अछि तँ पंचांग मैथिलीमे छपबामे ने नीतिगत वाधा हैबाक चाही ने किनको व्यवहारत: आपत्ति हैबाक चाहियनि। अपने लोकनिक ध्यान एहि दिस आकृष्ट कर' चाहैत छी। विशेषत: सम्बद्ध अधिकारीवृन्द ओ प्रभावशाली महानुभाव लोकनिसँ निवेदन जे एहि बिन्दुपर कृपया विचार कयल जाय।

– भीमनाथ झा

6. 7. 2025.